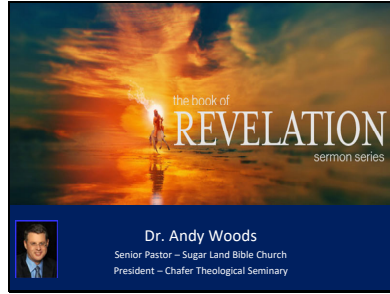


Slide 1



---

---

---

---

---

---

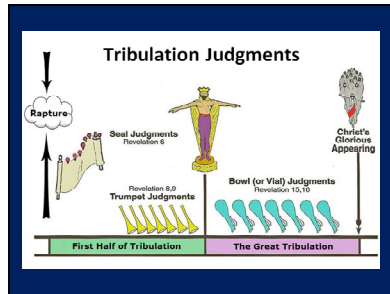
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 3

- 
- Seven Trumpets**  
(Revelation 8-11)
- 
- 1. 1<sup>st</sup> Trumpet (8:7) – 1/3 vegetation destroyed
  - 2. 2<sup>nd</sup> Trumpet (8:8-9) – 1/3 ocean destroyed
  - 3. 3<sup>rd</sup> Trumpet (8:10-11) – 1/3 water destroyed
  - 4. 4th Trumpet (8:12-13) – 1/3 luminaries darkened
  - 5. 5th Trumpet (9:1-12) – Demons released
  - 6. 6th Trumpet (9:13-21) – 1/3 humanity destroyed
  - 7. 7th Trumpet (11:14-19) – Legal transfer announced

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 4



---

---

---

---

---

---

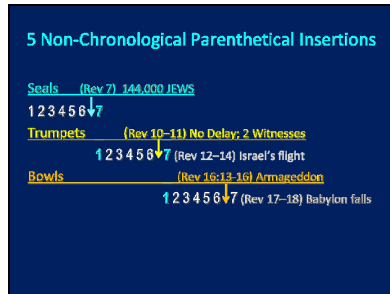
---

---

---

---

Slide 5



---

---

---

---

---

---

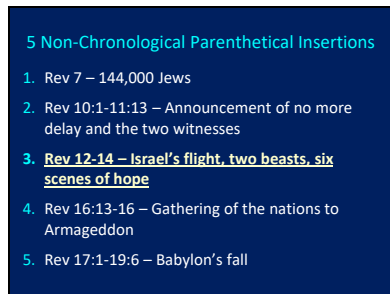
---

---

---

---

Slide 6



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 7

Revelation 12-14

- A. Rev 12 – Israel’s flight
- B. Rev 13 – Two beasts
- C. Rev 14 – Six scenes of hope

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

Revelation 12-14

- A. Rev 12 – Israel’s flight
- B. Rev 13 – Two beasts
- C. Rev 14 – Six scenes of hope

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

Revelation 12-14

- A. Rev 12 – Israel’s flight
- B. Rev 13 – Two beasts
- C. Rev 14 – Six scenes of hope

---

---

---

---



---

---

---

---

Slide 10

 Revelation 12–14 

- A. Rev 12 – Israel’s flight
- B. Rev 13 – Two beasts
- C. Rev 14 – Six scenes of hope

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 11

C. Six Scenes of Hope  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast’s Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation’s Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 12

C. Six Scenes of Hope  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast’s Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation’s Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 13

**C. Six Scenes of Hope**  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast's Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation's Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14

**C. Six Scenes of Hope**  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast's Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation's Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15

**C. Six Scenes of Hope**  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast's Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation's Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 16

4. The Doom of the Beast's Worshippers  
(Revelation 14:9-12)

- A. The Plea (9)
- B. The Punishment (10-11)
- C. The Perseverance (12)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 17

4. The Doom of the Beast's Worshippers  
(Revelation 14:9-12)

- A. The Plea (9)
- B. The Punishment (10-11)
- C. The Perseverance (12)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 18

4. The Doom of the Beast's Worshippers  
(Revelation 14:9-12)

- A. The Plea (9)
- B. The Punishment (10-11)
- C. The Perseverance (12)




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 19

4. The Doom of the Beast's Worshipers  
(Revelation 14:9-12)

- A. The Plea (9)
- B. The Punishment (10-11)
- C. The Perseverance (12)




---

---

---

---

---

---

---

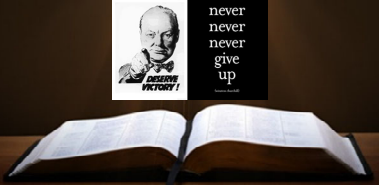
---

---

---

Slide 20

Matthew 24:13  
"But the one who endures to the end, he will be saved."




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

Revelation 1:19  
"Therefore write the things which you have seen, and the things which are, and the things which will take place after these things [*meta tauta*]."




---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 22

Revelation 1:19

- Seen (Chapter 1)
- Are (Chapters 2–3)
- After these things (Chapters 4–22)



---

---

---

---

---

---

---

---

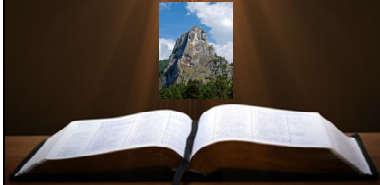
---

---

Slide 23

Matthew 16:18

I also say to you that you are Peter, and upon this rock I will build [oikodomeō] My church; and the gates of Hades will not overpower it.



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 24

Psalm 50:5 (NKJV)

“Gather My saints together to Me,  
Those who have made a covenant with Me by sacrifice.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 25



---

---

---

---

---

---

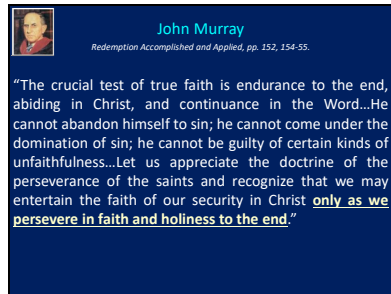
---

---

---

---

Slide 26



---

---

---

---

---

---

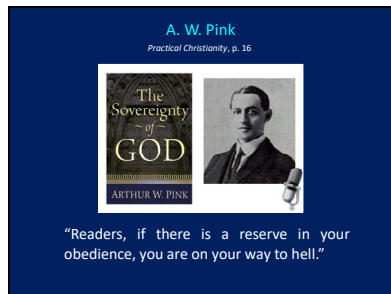
---

---

---

---

Slide 27



---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 28

**John Piper**  
John Piper and Pastoral Staff, TULIP: What We Believe about the Five Points of Calvinism: Position Paper of the Pastoral Staff (Desiring God Ministries, 1997), 25, cited in Dave Hunt, What Love is This?, 379.



**"No Christian can be sure that he is a true believer.** Hence, there is an ongoing need to be dedicated to the Lord and to deny ourselves so that we might make it."

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 29

**John MacArthur**  
Saved Without A Doubt, p. 177



"If a person fails to love and obey the Lord through the trials of life, then **there is no evidence that he possesses saving faith.** How many people do you know who came to church for a while, had a little trouble in their lives, and left? Although they may have made a profession of faith in Christ, they cannot be identified as those who love Him because **their lives are not characterized by enduring obedience.**"

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 30

**R.C. Sproul – Bob Wilkin as quoted in:**  
[http://www.grobbiblestudies.org/resources/966/www.dakribble.org/t\\_1/ternalSecurity22.htm](http://www.grobbiblestudies.org/resources/966/www.dakribble.org/t_1/ternalSecurity22.htm)



"During the first message presented at Ligonier's Conference in Orlando last June, Dr. R. C. Sproul indicated that Dr. James Boice, a scheduled speaker at the conference, was dying in faith that very night. **Then at the end of the message he asked all 5,000 of us present to pray that Jim dies in faith.** This struck me as sad. Here was a great pastor, theologian, teacher, and author. Yet Sproul was not sure that he was regenerate. (In Reformed thought, if a person fails to die in faith, he proved he was never saved in the first place.) I was reminded of R.T. Kendall's remark that nearly to a man the Puritan divines died doubting whether they were saved and fearing they were going to hell. Dr. Boice died that very night, June 15<sup>th</sup>."

---

---

---

---

---

---

---


---

---

---

Slide 31

**Cardinal John O'Connor of NY**  
quoted in Samuel Howe Verhovsek, Cardinal Defends a Jailed Bishop Who Warned Cuomo on Abortion, New York Times, February 1, 1990.



“Church teaching is that I don't know, at any given moment, what my eternal future will be... I can hope, pray, do my very best – but I still don't know. Pope John II doesn't absolutely know that he will go to heaven, nor does mother Theresa of Calcutta, unless either has had a special divine revelation.”

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 32

**John 5:24**

“Truly, truly, I say to you, he who hears My word, and believes Him who sent Me, has eternal life, and does not come into judgment, but has passed out of death into life.”



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 33

**1 John 5:13**

“These things I have written to you who believe in the name of the Son of God, so that you may know that you have eternal life.”



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 34

**C. Six Scenes of Hope**  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast's Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation's Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 35

**5. The Blessing Upon the Tribulation Martyrs**  
(Revelation 14:13)

- A. Their Beatitude (13a)
- B. Their Rest (13b)
- C. Their Reward (13c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 36

**5. The Blessing Upon the Tribulation Martyrs**  
(Revelation 14:13)

- A. Their Beatitude (13a)
- B. Their Rest (13b)
- C. Their Reward (13c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 37




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 38

 **Seven Beatitudes of Revelation:**  
"Blessed" (*makarios*)

1. Blessing upon the reader & heeder of Revelation (1:3)
2. Blessing upon the Tribulation martyrs (14:13)
3. Blessing upon the spiritually prepared (16:15)
4. Blessing upon the Marriage Supper invitees (19:9)
5. Blessing upon the First Resurrection's participants (20:6)
6. Blessing upon the heeder of Revelation (22:7)
7. Blessing upon the eternal city's citizens (22:14)

John F. Walwood, "Revelation," in Bible Knowledge Commentary, ed. John F. Walwood and Roy B. Zuck (Colorado Springs, CO: Victor, 1983), 529

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 39

 **Seven Beatitudes of Revelation:**  
"Blessed" (*makarios*)

1. Blessing upon the reader & heeder of Revelation (1:3)
2. **Blessing upon the Tribulation martyrs (14:13)**
3. Blessing upon the spiritually prepared (16:15)
4. Blessing upon the Marriage Supper invitees (19:9)
5. Blessing upon the First Resurrection's participants (20:6)
6. Blessing upon the heeder of Revelation (22:7)
7. Blessing upon the eternal city's citizens (22:14)

John F. Walwood, "Revelation," in Bible Knowledge Commentary, ed. John F. Walwood and Roy B. Zuck (Colorado Springs, CO: Victor, 1983), 529

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 40

**Why God Became Man**  
(Heb. 2:5-18) 

- To restore God's original purpose for man (5-8)
- To taste death for every man (9)
- To bring many to glory (10-13)
- To break Satan's rule over humanity (14)
- **To remove the fear of death (15)**
- To become our merciful high priest (16-17a)
- To make a complete purification for sin (17b)
- To sympathize with those tested (18)

Adapted from J. Dwight Pentecost, *Faith that Endures* (Grand Rapids, MI: Knight, 2005), 60-71.

---

---

---

---

---

---

---

---

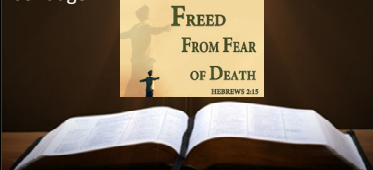
---

---

Slide 41

**Hebrews 2:15**

and release those who through fear of death were all their lifetime subject to bondage.



---

---

---

---

---

---

---

---

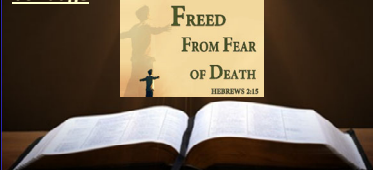
---

---

Slide 42

**Hebrews 2:15**

and release those who through **fear of death** were all their **lifetime** subject to **bondage**.



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 43

Romans 8:29-30

<sup>29</sup> For those whom He foreknew, He also **predestined** to become conformed to the image of His Son, so that He would be the firstborn among many brethren; <sup>30</sup> and these whom He predestined, He also called; and these whom He called, He also justified; and these whom He justified, He also glorified.

Where's **sanctification**?

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

2 Corinthians 5:8

we are of good courage, I say, and prefer rather to be absent from the body and to be at home with the Lord.




---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 45

2 Corinthians 5:8

we are of good courage, I say, and prefer rather to be absent from the body and to be at home with the Lord.




---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 46

**Philippians 1:21-24**

<sup>21</sup> For to me, to live is Christ and to die is gain.  
<sup>22</sup> But if *I am* to live *on* in the flesh, this *will mean* fruitful labor for me; and I do not know which to choose. <sup>23</sup> But I am hard-pressed from both *directions*, having the desire to depart and be with Christ, for *that* is very much better; <sup>24</sup> yet to remain on in the flesh is more necessary for your sake.



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 47

**Philippians 1:21-24**

<sup>21</sup> For to me, to live is Christ and to die is gain.  
<sup>22</sup> But if *I am* to live *on* in the flesh, this *will mean* fruitful labor for me; and I do not know which to choose. <sup>23</sup> But I am hard-pressed from both *directions*, having the desire to depart and be with Christ, **for that is very much better**; <sup>24</sup> yet to remain on in the flesh is more necessary for your sake.



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 48

**5. The Blessing Upon the Tribulation Martyrs**  
(Revelation 14:13)

- A. Their Beatitude (13a)
- B. Their Rest (13b)**
- C. Their Reward (13c)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---





Slide 52

Scripture's Five Crowns (Rev 4:10: 3:11; 2 John 8)		
SCRIPTURE	CROWN	PURPOSE
1 Cor. 9:24-27	<b>Incorruptible</b>	Gaining mastery over the flesh
1 Thess. 2:19-20	<b>Rejoicing</b>	Soul winning
Jas. 1:12; Rev. 2:10	<b>Life</b>	Enduring trials
1 Pet. 5:2-4	<b>Glory</b>	Shepherding God's people
2 Tim. 4:8	<b>Righteousness</b>	Longing for His appearing

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 53

**C. Six Scenes of Hope**  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast's Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation's Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 54

**6. The Armageddon Judgment Harvest**  
(Revelation 14:14-20)

- A. The Judge (14-18a)
- B. The Judged (18b)
- C. The Judgment (19-20)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 55

6. The Armageddon Judgment Harvest  
(Revelation 14:14-20)

- A. The Judge (14-18a)
- B. The Judged (18b)
- C. The Judgment (19-20)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 56

A. The Judge  
(Revelation 14:14-18a)

- 1. The Son of Man (14)
- 2. The First Angel (15-16)
- 3. The Second Angel (17)
- 4. The Third Angel (18a)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

A. The Judge  
(Revelation 14:14-18a)

- 1. The Son of Man (14)
- 2. The First Angel (15-16)
- 3. The Second Angel (17)
- 4. The Third Angel (18a)



---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 58

**A. The Judge**  
(Revelation 14:14-18a)

1. The Son of Man (14)
2. The First Angel (15-16)
3. The Second Angel (17)
4. The Third Angel (18a)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 59

**A. The Judge**  
(Revelation 14:14-18a)

1. The Son of Man (14)
2. The First Angel (15-16)
3. The Second Angel (17)
4. The Third Angel (18a)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 60

**A. The Judge**  
(Revelation 14:14-18a)

1. The Son of Man (14)
2. The First Angel (15-16)
3. The Second Angel (17)
4. The Third Angel (18a)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 61

**6. The Armageddon Judgment Harvest**  
(Revelation 14:14-20)

- A. The Judge (14-18a)
- B. The Judged (18b)**
- C. The Judgment (19-20)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 62

**6. The Armageddon Judgment Harvest**  
(Revelation 14:14-20)

- A. The Judge (14-18a)
- B. The Judged (18b)
- C. The Judgment (19-20)**



---

---

---

---

---

---

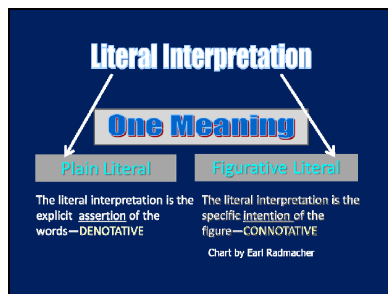
---

---

---

---

Slide 63



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 64

**C. The Judgment**  
(Revelation 14:19-20)

1. Figurative language (19)
2. Plain language (20)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 65

**C. The Judgment**  
(Revelation 14:19-20)

1. Figurative language (19)
2. Plain language (20)



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 66

**Promised Exemption from Divine Wrath**

- The promise (1 Thess 1:10; 5:9; Rom 5:9; 8:1; Rev 3:10)
- Tribulation = divine wrath (Rev 6:16-17; 11:18; 15:1, 7; 16:1, 19)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 67

**C. The Judgment**  
(Revelation 14:19-20)

1. Figurative language (19)
2. Plain language (20)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 68

**Conclusion**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 69

**C. Six Scenes of Hope**  
Revelation 14:1-20

1. The Destiny of the 144,000 (1-5)
2. The Proclamation of the Eternal Gospel (6-7)
3. The Prediction of the Destruction of Babylon (8)
4. The Doom of the Beast's Worshipers (9-12)
5. The Blessing Upon the Tribulation's Martyrs (13)
6. The Judgement Harvest of Armageddon (14-20)

---

---

---

---

---

---

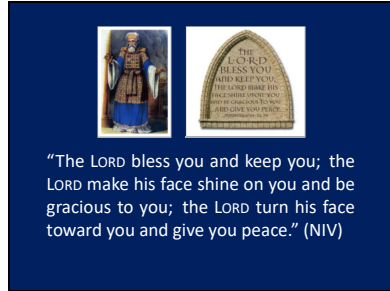
---

---

---

---

Slide 70



---

---

---

---

---

---

---

---

## 12

Rev. 13:16-17- <sup>16</sup> And he causes all, the small and the great, and the rich and the poor, and the free men and the slaves, to be given a mark on their right hand or on their forehead, <sup>17</sup> and *he provides* that no one will be able to buy or to sell, except the one who has the mark, *either* the name of the beast or the number of his name.

Jas. 4:4- You adulteresses, do you not know that friendship with the world is hostility toward God? Therefore whoever wishes to be a friend of the world makes himself an enemy of God.

John 15:18-19- <sup>18</sup> “If the world hates you, you know that it has hated Me before *it hated* you. <sup>19</sup> If you were of the world, the world would love its own; but because you are not of the world, but I chose you out of the world, because of this the world hates you.



Rev. 13:10-If anyone *is destined* for captivity, to captivity he goes; if anyone kills with the sword, with the sword he must be killed. Here is the perseverance and the faith of the saints.

1 Pet. 1:4-5-<sup>4</sup> to *obtain* an inheritance *which is* imperishable and undefiled and will not fade away, reserved in heaven for **you, <sup>5</sup> who are protected by the power of God** through faith for a salvation ready to be revealed in the last time.

### 13

Ps. 116:15- Precious in the sight of the LORD Is the death of His godly ones.

Heb. 2:15-and might free those who through fear of death were subject to slavery all their lives.

2 Cor. 5:8- we are of good courage, I say, and prefer rather to be absent from the body and to be at home with the Lord.

Philip. 1:21-23-<sup>21</sup> For to me, to live is Christ and to die is gain. <sup>22</sup> But if *I am* to live *on* in the flesh, this *will mean* fruitful labor for me; and I do not know which to choose. <sup>23</sup> But I am hard-pressed from both *directions*, having the desire to depart and be with Christ, for *that* is very much better

Matt. 5:11-12-<sup>11</sup> “Blessed are you when *people* insult you and persecute you, and falsely say all kinds of evil against you because of Me. <sup>12</sup> Rejoice and be glad, for your reward in heaven is great; for in the same way they persecuted the prophets who were before you.

Matt. 10:42- And whoever in the name of a disciple gives to one of these little ones even a cup of cold water to drink, truly I say to you, he shall not lose his reward.

Dan. 12:3-Those who have insight will shine brightly like the brightness of the expanse of heaven, and those who lead the many to righteousness, like the stars forever and ever.

## 14

Dan. 7:13-I kept looking in the night visions, And behold, with the clouds of heaven One like a **Son of Man** was coming, And He came up to the Ancient of Days And was presented before Him.

Mark 14:61-64-<sup>61</sup> But He kept silent and did not answer. Again the high priest was questioning Him, and saying to Him, “Are You the Christ, the Son of the Blessed *One*?” <sup>62</sup> And Jesus said, “I am; and you shall see **THE SON OF MAN** SITTING AT THE RIGHT HAND OF POWER, and COMING WITH THE CLOUDS OF HEAVEN.” <sup>63</sup> Tearing his clothes, the high priest said, “What further need do we have of witnesses? <sup>64</sup> You have heard the blasphemy; how does it seem to you?” And they all condemned Him to be deserving of death.

John 5:26-27-<sup>26</sup> For just as the Father has life in Himself, even so He gave to the Son also to have life in Himself; <sup>27</sup> and He gave Him authority to execute judgment, because He is *the* Son of Man.

Rev. 19:12-His eyes *are* a flame of fire, and on His head *are* **many diadems**; and He has a name written *on Him* which no one knows except Himself.

## **18**

Gen. 6:3- Then the Lord said, “**My Spirit shall not strive with man forever**, because he also is flesh; nevertheless his days shall be one hundred and twenty years.”

## **20**

Rev. 16:16- And they gathered them together to the place which in Hebrew is called Har-Magedon.

Rev. 19:17-19- <sup>17</sup> Then I saw an angel standing in the sun, and he cried out with a loud voice, saying to all the birds which fly in midheaven, “Come, assemble for the great supper of God, <sup>18</sup> so that you may eat the flesh of kings and the flesh of commanders and the flesh of mighty men and the flesh of horses and of those who sit on them and the flesh of all men, both free men and slaves, and small and great.” <sup>19</sup> And I saw the beast and the kings of the earth and their armies assembled to make war against Him who sat on the horse and against His army.

Ryrie- Revelation 14:20 (RSB:NASB1995U): 14:20.

“Apparently a reference to Armageddon (16:16; cf. 19:17–19), when the blood from the slaughter will flow 180 mi. (290 km), to the depth of about 4.5 ft (1.3 m). The blood of horses added to that of the large armies of human soldiers could easily cause such an enormous river of blood.”

## **Conclusion**

Num. 6:24-26-<sup>24</sup> The LORD bless you, and keep you; <sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you peace.'